महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी सीखंगे मृदा सर्वेक्षण और प्रयोगशाला विश्लेषण की नविन तकनिकी

21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सुभारम्भ

मृदा संसाधन अध्ययन विभाग, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "मृदा सर्वेक्षण और प्रयोगशाला विश्लेषण की तकनीक" का उद्घाटन दिनांक 1 मार्च 2022 को सम्मानिये डॉ. सी. डी. मायी, भूतपूर्व अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक भर्ती मंडल द्वारा संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण सिंचाई अनुसंधान एवं विकास निदेशालय (डीआईआरडी), पुणे द्वारा प्रायोजित किया गया हैं जिसमे महाराष्ट्र सरकार के 19 मृदा सर्वेक्षण अधिकारी हिस्सा ले रहें हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सी. डी. मायी ने बताया की मृदा स्वस्थ्य में सुधार हेतु ब्यूरो विगत 45 वर्ष से लगातार अनुसंधान कर रहा हैं जिसका लाभ प्रशिणार्थियों को मिलेगा और महाराट्र में चल रहें भूमि सुधार परियोजनाओं में सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्यूरो के निदेशक डॉ. बी. एस. द्विवेदी ने बताया की इस प्रशिक्षण में मृदा सर्वेक्षण की आधुनिक तकनिकी सिखायी जायेगी जिससे राज्य सरकारों के साथ-साथ ब्यूरो को भी भूमि संसाधन मानचित्रण कार्यक्रम को गति मिलेगी। मृदा संसाधन अध्ययन विभाग के प्रमुख डॉ. पी. चंद्रन ने बताया की आजतक ब्यूरो 100 से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर चूका जिसका लाभ लगभग ढाई से तीन हजार कृषि विभागों और कृषि विश्व विद्यालयों के कर्मचारियों को मिला चूका हैं। इस प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. आर. पी. शर्मा ने कार्यक्रम का आयोजन किया और अंत में समन्वयक डॉ. डी. वासु ने धन्यवाद दिया।

Training on
Techniques of Soil Survey
and Laboratory Analysis
State Department Officials (Govt. of Maharashtra)
Sponsored by Directorate of Irrigation Research & Development (DIRD)
Govt. of Maharashtra
1 - 21 March 2022
Organized by
Division of Soil Resource Studies
ICAR-National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning
Amravati Road, Nagpur-440 033

NATIONAL B